# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -21 | अंक - 17 | दिसम्बर-I-2019 | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | Rs. 8.50


# विश्व में राजयोग को पहुंचाया ब्रह्माकुमारीज़ ने - मुख्यमंत्री योगी

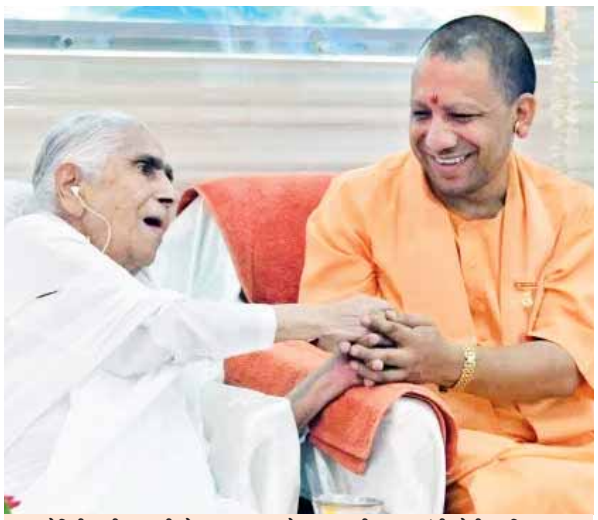

राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात करते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ।

**लखनऊ-उ.प्र.।** ब्रह्माकुमारीज़ के 'गुलज़ार उपवन-रिट्रीट सेंटर' के शिलान्यास समारोह में **माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ** ने ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का लखनऊ में स्वागत करते हुए कहा कि मन एक साधन है जो हमारे बंधन या स्वतंत्रता का कारण हो सकता है, जो इसके उपयोग पर निर्भर करता है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने आम आदमी को आसान तरीके से राजयोग सिखाया है। वे मनुष्य को देवता बनाने का कठिन कार्य कर रही हैं। दादी जानकी जी यौगिक जीवन की भारतीय परंपरा का जीता-जागता उदाहरण हैं और इसके फायदे आज पूरे विश्व के सामने हैं। उन्होंने दादी की अनेकों दिव्य सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मूल्य किसी भी राष्ट्र की वास्तविक सम्पत्ति है। आज पूरे विश्व में योग के भारतीय विज्ञान की मांग है। ब्रह्माकुमारीज़ जैसे संगठनों ने योग को जन-जन तक ले जाने के लिए बहुत महान कार्य किया है। प्रत्येक भारतीय को इस कार्य पर गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ को इस कार्य में और भविष्य में किये जाने वाले किसी भी कार्य और प्रयासों में सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया।

इस दिव्य शिलान्यास समारोह में **आशुतोष टंडन,कैबिनेट मिनिस्टर, उ.प्र., स्वतंत्र देव सिंह,राज्य प्रमुख, भाजपा व राज्यमंत्री,स्वतंत्र प्रभार, परिवहन एवं पोर्टफोलियो** सहित अनेक गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। इस रिट्रीट सेंटर का उद्देश्य मूल्य आधारित समाज बनाने के लिए जन-जन को राजयोग मेडिटेशन सिखाना है।

**राजयोगिनी ब्र.कु.आशा,निदेशिका, ओ.आर.सी., गुरूग्राम** ने लखनऊ में ईश्वरीय सेवाओं के विस्तार पर खुशी व्यक्त करते हुए वहाँ पर ब्रह्माकुमारीज़ के ईश्वरीय सेवाओं की यात्रा के प्रारंभ के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज वह बीज एक वृक्ष बन गया है।

**स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. राधा** ने कहा कि आज हम डॉक्टर बना सकते हैं, वकील तैयार कर सकते हैं, इंजीनियर बना सकते हैं, लेकिन इंसान में इंसानियत की खुशबू डाल उसे देवता बनाना, यह कार्य केवल परमात्मा ही कर सकते हैं और वे ही यह कार्य ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा करा रहे हैं। और यहाँ इस कार्य को और गति मिलेगी। इस अवसर पर माउण्ट आबू के मधुरवाणी ग्रुप के कलाकार भी दिव्य संगीत के साथ समारोह को जीवंत बनाने के लिए मौजूद थे।

'गुलज़ार उपवन' के शिलापट्ट का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, राजयोगिनी दादी जानकी व ब्र.कु. राधा।

## सदा खुश रहो और खुशियां बांटो... - दादी जानकी

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने समारोह में उपस्थित होने तथा मुख्यमंत्री के साथ-साथ ब्रह्माकुमारीज़ दिव्य परिवार के सदस्यों से मिलने की खुशी ज़ाहिर की। उन्होंने सभी से सदा आत्मिक स्थिति में रहने को कहा। साथ ही कहा कि ब्रह्माकुमारी होने का अर्थ है सत्यता, दिव्यता, पवित्रता, विनम्रता और मधुरता रूपी पाँच गुणों का जीवन में होना। दादी ने सबको आशीर्वचन देते हुए कहा कि 'सदा खुश रहो और खुशियां बांटो।' सबसे बड़ी कमाई धन कमाना नहीं, बल्कि खुश रहना है।

## तनाव-मुक्ति के लिए राजयोग विद्या ही कारगर- उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा

**लखनऊ-उ.प्र.।** 'गुलज़ार उपवन' का शिलान्यास विशाल जनसमूह की उपस्थिति में दादी जानकी, उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, विधायी एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री सुरेश राणा, ब्र.कु. राधा तथा अन्य गणमान्य लोगों द्वारा नारियल फोड़कर

### लखनऊ में 'गुलज़ार उपवन' का शिलान्यास

किया गया। इस अवसर पर **उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा** ने कहा कि दादी जानकी के दर्शन और उनकी वाणी सुनकर मुझे स्वर्गिक सुख की अनुभूति हो रही है। दादी ने दो शब्दों में सारे जीवन का सार 'सदा कैसे खुश रहें' हमें बता दिया, यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि राजयोग ही वह विद्या है जो मनुष्य को तनाव मुक्त रखती है। दूसरों के लिए कार्य करो तो प्रसन्नता रहती है। उन्होंने राधा दीदी की लगन और अथक सेवा की सराहना करते हुए पूरा सहयोग देने का वायदा किया। **जल शक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह** ने दादी की महिमा करते हुए कहा कि लखनऊ में बाग तो कई हैं पर उपवन कोई नहीं था, वह कमी अब पूरी हो रही है। उन्होंने आशा जताई कि यह केन्द्र श्रेष्ठ चरित्र की निर्माण-शाला साबित होगा। **गन्ना मंत्री सुरेश राणा** ने कहा कि जो भी इस राजयोग प्रशिक्षण केन्द्र में आएगा उसे अपने हर प्रश्न का उत्तर अवश्य मिलेगा। उसके जीवन से अवसाद मिट जाएगा। मैं इस संस्था से जब से जुड़ा हूँ, मेरे जीवन में बहुत सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुझे विश्वास है कि लखनऊ में बन रहा यह केन्द्र पूरे विश्व में अपना नाम रोशन करेगा। इस अवसर पर राजयोगिनी ब्र.कु. विद्या, ब्र.कु. प्रभा तथा ब्र.कु. मोहन ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का सफल संचालन राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा,प्रयागराज ने किया। उ.प्र. संगीत अकादमी की बच्चियों ने मनोहारी स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया तथा माउण्ट आबू से आये मधुर वाणी ग्रुप के ब्र.कु. सतीश तथा ब्र.कु. नितिन ने कई मधुर गीतों की प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया।

'गुलज़ार उपवन' का शिलान्यास करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, ब्र.कु. राधा, ब्र.कु. विद्या, ब्र.कु. विजया, ब्र.कु. आशा,निदेशिका,ओ.आर.सी.,दिल्ली तथा अन्य।

## सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में आगे आयें युवाः दादी

**शांतिवन-आबू रोड।** एल.सी.ओ.वाई.,युवाओं के स्थानीय सम्मेलन के 15वें संस्करण का उद्घाटन शांतिवन के कॉन्फ्रेन्स हॉल में किया गया। 'एल.सी.ओ.वाई.-इंडिया' एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसे युनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन द्वारा जलवायु परिवर्तन और इसके युवा-निर्वाचन क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त है, जिसे वाय.ओ.यू.एन.जी.ओ.(यंगो) कहा जाता है। इस अवसर पर **प्रभजोत सोढ़ी,सीनियर कोऑर्डिनेटर,यूएनडीपी,इंडिया** ने ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयासों और दुनिया भर में इसकी उपस्थिति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे अच्छे कार्य हमें प्रेरित करते हैं और बेहतर जीवन के लिए चीज़ों को बदलने का साधन मिलता है। **राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका** ने सभी प्रतिभागियों को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों को उमंग के साथ करने के लिए प्रेरित किया। **आकाश वशिष्ठ,एडवोकेट,सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एवं सेक्रेट्री ऑफ द सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ एन्वायरनमेंट एंड बायो डायवर्सिटी** ने आंकड़े दिए कि पर्यावरण किस तरह से आपदा की ओर बढ़ रहा है। साथ ही पृथ्वी पर इसके प्रभाव को कम करने और एक स्थायी भविष्य की ओर जाने के लिए युवाओं को पहल करने और व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी लेने का आह्वान किया। **राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय,कार्यकारी सचिव,ब्रह्माकुमारीज़** ने कहा कि मानसिक प्रदूषण सभी प्रदूषण और नकारात्मकता का बीज है। युवाओं को केवल यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि सरकार या अन्य अधिकारी जादुई रूप से हमारी दुनिया को बदल देंगे, बल्कि दैनिक विचारों, कार्यों और निर्णयों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जो पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। **राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका** ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण के प्रति अधिक से अधिक जागरुक होने और करने की आवश्यकता है। **राजयोगिनी ब्र.कु. जयन्ती,यूरोप स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका** ने वीडियो के माध्यम से अपनी शुभकामनायें दीं। **ब्र.कु. शिविका** ने सभी का स्वागत किया तथा **ब्र.कु. सुप्रिया** ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के साथ कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए अतिथिगण।

## त्रिदिवसीय कार्यक्रम में लगभग दो सौ युवाओं ने भाग लिया